

an>

Title: Need to develop Mathura-Vrindavan as a place for religious tourism.

श्रीमती हेमामालिनी (मथुरा) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ। महोदया, मेरा विषय वेस्ट मैनेजमेंट के ऊपर है। मैं पहले माननीय प्रधान मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देती हूँ, जिन्होंने स्वच्छता का अभियान शुरू किया है। पूरे हिंदुस्तान में स्वच्छता एक बहुत ही गंभीर विषय है। खास तौर पर तीर्थ स्थलों और मेरे संसदीय क्षेत्र मथुरा में तो बहुत ही ज्यादा गंभीर मुद्दा है। ब्रजभूमि जो चमत्कारी भूमि है, जहां आज भी भक्तजन भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी के मधुर स्वर सुनते रहते हैं, वह ब्रजभूमि आज कचरे का एक ढेर बन चुका है। भक्तजन यह जानते हुए भी कि यहां पर इतनी गंदगी है फिर भी मंदिर के अंदर उस अभिलाषा में पहुंच जाते हैं। क्या यह हमारा कर्तव्य नहीं है, हमारे प्रशासन का कर्तव्य नहीं है? रितीजियस टूरिज्म डेस्टिनेशन में लाखों-करोड़ों लोग देश-विदेश से आते हैं। वह जगह स्वच्छ और निर्मल होनी चाहिए। इस पर ध्यान देना चाहिए। मैंने हाल में मथुरा में वेस्ट मैनेजमेंट के एक्सपर्ट्स को भेजा था। उन्होंने यह बताया है कि according to the 2011 Census Report, the population of Mathura is 4,41,894. The solid waste generated in Mathura-Vrindavan is around 300 tonnes per day. The waste management in Brijbhoomi is not handled in a professional manner. The waste is just dumped on open spaces and on the banks of the Yamuna too. There are no segregated bins for bio-medical, industrial and electronic waste, and all these are accumulated near major public places causing health hazards.

माननीय अध्यक्ष : आप इतना सारा मत पढ़िए, केवल यह बताइए कि ऐसा करना आवश्यक है and that is your demand.

SHRIMATI HEMAMALINI : Yes, Madam. I mean that awareness should be brought, and a lot of work has to be done to clean up the entire place of Mathura-Vrindavan. This is my request.